Seat No. : _______________

JA-105-H

January-2016

B.Com., Sem.-I

CC-103 : Accountancy – I

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

1. अहमदाबाद के अक्षर ने 1 अप्रेल 2015 को "60" टी.वी. सेट वड़नगर के विजय को भेजे, प्रत्येक सेट की कीमत ₹ 20,000 थी जो बीजक (इनवोइस) में ₹ 25,000 दर्शाई गई थी । इन्हें भेजने में ये खर्चें हुए : **14**

बीमा प्रीमियम ₹ 10,000; भाड़ा ₹ 8,000 और अन्य खर्चें ₹ 12,000.

विजय को कुल विक्रय पर 5% की दर से कमीशन दिया जाएगा और उधार विक्रय पर 2% प्रत्यायक कमीशन दिया जाएगा ।

विजय ने अक्षर द्वारा दिया गया ₹ 3,00,000 का चार माह की अवधि का बिल स्वीकार कर लिया और तुरंत ही लौटा दिया । अक्षर ने इस बिल को उसी दिन 12% वार्षिक छूट की दर से बैंक से भुना लिया ।

मार्ग में दुर्घटना के कारण 05 (पाँच) टी.वी. सेटों को अत्यधिक नुकसान पहुँचा और जिसके लिए बीमा कम्पनी ने ₹ 85,800 का दावा स्वीकार किया ।

विजय ने माल छुड़ाने के लिए ₹ 5,500 का और विक्रय संबंधी खर्चों के लिए ₹ 9,700 का भुगतान किया ।

31-10-2015 को विजय द्वारा भेजे गए विक्रय-खातें के अनुसार :

"40" टी.वी. सेट ₹ 30,000 प्रति सेट की दर से नकद बेचे गए ।

"10" टी.वी. सेट ₹ 32,000 प्रति सेट की दर से जितेन्द्र को उधार बेचे गए ।

"03" टी.वी. सेट ₹ 30,000 प्रति सेट की दर से उदय को बेचे गए, जिसकी सिफारिश अक्षर ने की थी और उसी ने इसकी जिम्मेदारी ली थी ।

उदय दिवालिया घोषित किया गया और रिसीवर से प्रति एक रूपए के एवज में 80 पैसे प्राप्त हुए । विजय ने उससे लेने वाले शेष रुपयों का बैंक-ड्राफ्ट बनवाकर भेज दिया ।

उपर्युक्त जानकारी से अक्षर (कनसाइनर) के खातों में प्रेषित माल खाता (कनसाइनमेन्ट एकाउन्ट) और विजय का माल प्राप्त-कर्ता खाता (कनसाइनी एकाउन्ट) बनाइए ।

अथवा

1. (A) राजदीप एन्ड सन्स ने 500 किलोग्राम सूखे मेवे भेजे । इनकी कीमत ₹ 500 प्रति किलो ग्राम लगाई गई और इसे भेजने में ₹ 10,000 के प्रत्यक्ष खर्च किए । **7**

मार्ग में हुई दुर्घटना के कारण 50 किलोग्राम सूखा मेवा गायब हो गया । बीमा कम्पनी ने ₹ 23,500 का दावा स्वीकार किया । माल प्राप्तकर्त्ता ने चुंगी और भाड़े को मिलाकर ₹ 9,000 का भुगतान कर माल प्राप्त कर लिया । उसने 400 किलोग्राम सूखा मेवा ₹ 750 प्रति किलो ग्राम की दर से नकद बेच दिया । माल भेजने वाले (कनसाइनर) के हिसाबी खातों में निम्नलिखित की गणना करो :

(1) मार्ग में असामान्य रूप से गायब हुए माल की कीमत की गणना कर रोजनामचे में प्रविष्टि करो ।

(2) कनसाइनमेंट एकाउन्ट में स्कन्ध (स्टॉक) के मूल्य की गणना करो ।

(B) टिप्पणी लिखो : प्रारूप बीजक (प्रोफोर्मा इनवोइस) और एकाउन्ट सेल **4**

(C) कनसाइनमेन्ट एकाउन्ट में लिखें जाने वाले सामान्य कमीशन को और प्रत्यायक कमीशन (डेल-क्रेडर कमीशन) को समझाइए । **3**

2. (A) नाइल ब्रदर्स, अहमदाबाद की एक शाखा गाँधीनगर में है । मुख्य कार्यालय अपनी शाखा कार्यालय में माल भेजते समय ही लागत की कीमत पर 20% लाभ जोड़कर जो कीमत आती है उसे बीजक (इनवोइस) में लिखता है । शाखा कार्यालय नकद और उधार दोनों प्रकार से माल बेचता है । नाम-मात्र के छोटे-छोटे नकद खर्चों के अतिरिक्त शाखा कार्यालय के सभी खर्चों का भुगतान मुख्य कार्यालय द्वारा किया जाता है और शाखा कार्यालय द्वारा प्राप्त की गई पूरी धनराशि मुख्य-कार्यालय के बैंक-खाते में प्रतिदिन जमा कर दी जाती है ।

शाखा-कार्यालय के निम्नलिखित विवरणों से 31 मार्च 2015 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष के लिए मुख्य कार्यालय के हिसाबी खातों में गाँधीनगर शाखा का खाता बनाइए । **7**

विवरण	**दि. : 1-4-2014 (₹)**		**दि. : 31-3-2015 (₹)**
शाखा में उपलब्ध स्टॉक (बीजक-कीमत)	54,000		66,000
देनदार	36,000		(?)
खुदरा नकद	3,000		(?)
फर्नीचर	20,000		(?)
		(₹)	
मुख्य कार्यालय से प्राप्त माल (बीजक कीमत)		5,52,000	
मुख्य कार्यालय को वापस किया माल (बीजक कीमत)		6,000	
नकद विक्रय		75,000	
उधार विक्रय		5,54,600	
देनदारों को दी गई छूट		4,000	
अशोध्य ऋण		7,400	
देनदारों द्वारा लौटाया गया माल		12,700	
मुख्य कार्यालय से प्राप्त धनराशि : (विभिन्न खर्चों के लिए)			
किराया	24,000		
वेतन	36,000		
स्टेशनरी और टेलीफोन के खर्चे	5,600		
खुदरा नकद	4,500	70,100	
देनदारों से प्राप्त धनराशि		4,89,500	
शाखा कार्यालय के अन्य विभिन्न खर्चे		6,700	

फर्नीचर पर ह्रास की गणना 10% प्रतिवर्ष की दर से करो ।

(B) स्वतंत्र शाखा और निर्भर शाखा में अन्तर स्पष्ट कीजिए । **4**

(C) टिप्पणी लिखों : **3**

मार्गस्थ माल और मार्गस्थ रोकड़ पर रोजनामचे में प्रविष्टि के साथ

अथवा

2. स्कायलार्क एजेंसी, बोपल की मणिनगर में एक स्वतंत्र शाखा है । 31-3-2015 को लेन देन संबंधित उसका कच्चा बेलेंस-शीट इस प्रकार है । **14**

विवरण	उधार बाकी (₹)	जमा बाकी (₹)
माल का प्रारंभिक स्कन्ध (स्टॉक)	1,50,000	–
मुख्य कार्यालय से प्राप्त माल	5,00,000	–
मुख्य कार्यालय को लौटाया गया माल	–	50,000
मुख्य कार्यालय का खाता	–	5,10,000
माल का क्रय और विक्रय	4,00,000	8,20,000
माल वापस	40,000	30,000
भाड़ा और चुंगी	20,000	–
वेतन (28 फरवरी 2015 तक)	44,000	–
मजदूरी	16,000	–
अशोध्य ऋण और वसूले गए अशोध्य ऋण	4,000	15,000
देनदार और लेनदार	1,76,000	95,000
नकद तथा बैंक	10,000	40,000
10% GSPC डिबेन्चर (अंकित मूल्य) (01-10-2014 को खरीदे गए)	2,00,000	–
	15,60,000	**15,60,000**

अतिरिक्त सूचनाएँ :

(1) अंतिम स्टॉक का मूल्य ₹ 1,60,000.

(2) मार्ग में स्थित माल की कीमत ₹ 20,000 है और मार्गस्थ धनराशि ₹ 50,000 है ।

(3) 01-10-2014 को मुख्य कार्यालय ने शाखा कार्यालय में ₹ 1,00,000 का फर्नीचर भेजा । इस माल का पूरा हिसाब-किताब मुख्य-कार्यालय के खातों में रखा जाता है । फर्नीचर पर मूल्यह्रास 10% वार्षिक की दर से लगाया जाता है ।

उपर्युक्त जानकारी से मणिनगर शाखा के अंतिम खाते (फाइनल एकाउन्ट) बनाइए ।

3. मीना ट्रेडर्स के परिसर में 31-10-2015 को आग लग गई जिसमें मात्र ₹ 6,000 का माल बचा और शेष पूरा माल नष्ट हो गया । फर्म के हिसाबी खातों से निम्नलिखित जानकारी मिली : **14**

विवरण	2012-13 (₹)	2013-14 (₹)	2014-15 (₹)
01 अप्रैल को उपलब्ध स्कन्ध (स्टॉक)	66,000	1,08,000	1,62,000
क्रय	4,30,000	5,56,000	7,20,000
विक्रय	6,00,000	8,40,000	13,68,000
प्रत्यक्ष व्यय	60,000	66,000	70,800
प्रशासनिक व्यय	50,000	60,000	70,000
व्यक्तिगत प्रयोग के लिए लिया गया माल	10,000	16,000	–

अतिरिक्त जानकारी :

(1) 01 अप्रैल 2015 को उपलब्ध स्कन्ध (स्टॉक) का मूल्य ₹ 1,35,000 ।

(2) 31-10-2015 तक किए गए क्रय और विक्रय वर्ष 2014-15 के मासिक औसत पर आधारित थे । प्रत्यक्ष व्यय ₹ 38,700 के थे ।

(3) 2012-13 तक स्टॉक का मूल्य उसके लागत मूल्य पर 10% जोड़कर तय किया जाता था । किंतु 31-3-2013 से यह तरीका बदल दिया गया । नए तरीके के अनुसार स्कन्ध (स्टॉक) का मूल्य उसके लागत-मूल्य में से 10% घटाकर तय किया जाने लगा ।

(4) आग बुझाने में हुआ व्यय ₹ 1,000.

उपर्युक्त जानकारी से ऐसा स्टेटमेन्ट तैयार करो जिसमें स्टॉक की हुई हानि के लिए दावा (क्लेम) किया गया हो (भारित औसत का प्रयोग न करें)

अथवा

3. (A) श्री नयन के संबंध में निम्नलिखित जानकारी से लाभ की क्षति दिखाते हुए ऐसा स्टेटमेंट तैयार करो जिसे बीमा कम्पनी के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके : **7**

(1) आग लगने की दिनांक : 01-04-2014

(2) क्षतिपूर्ति की अवधि : 04 मास

(3) बीमे की पॉलिसी की धनराशि : ₹ 3,00,000

(4) 31 दिसम्बर 2013 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष के लिए कुल विक्रय : ₹ 24,00,000

(5) लाभ (31 दिसम्बर 2013 को समाप्त होने वाले वित्त-वर्ष के लिए स्टैंडिंग चार्ज ₹ 18,000 घटाने के बाद) : ₹ 2,70,000

(6) 31 मार्च 2014 के अन्त में 12 माह का कुल विक्रय : ₹ 30,00,000

   (a) 1-4-2014 से 31-7-2014 तक की अवधि में विक्रय : ₹ 4,50,000

   (b) 1-8-2013 से 31-3-2014 तक की अवधि में विक्रय : ₹ 10,50,000

यह आशा की जाती है कि 1 जनवरी 2014 से उत्पादन की नई व्यवस्था प्रारंभ करने के कारण इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में लाभ में 3% की वृद्धि होगी ।

(B) निम्नलिखित शब्दों की व्याख्या कीजिए : **4**

(1) क्षतिपूर्ति की अवधि (2) मानक विक्रय

(3) अल्प-विक्रय (4) वार्षिक विक्रय

(C) किसी एक पर टिप्पणी लिखें : **3**

(1) औसत धारा

(2) परिणामी नुकसान पोलिसी

4. श्री कन्हैयालाल अपने हिसाबी खाते एकल प्रविष्टि प्रणाली के अनुसार लिखता है । उसके हिसाबी-खातों से आपको निम्नलिखित जानकारी दी जाती है : **14**

(1) 01-04-2014 को बैलेंस शीट

दायित्व	₹	सम्पत्ति		₹
लेनदार	56,000	भवन		1,50,000
देय बिल	29,000	फर्नीचर		30,000
वेतन जिसका भुगतान बाकी है	5,000	माल का स्कन्ध		26,000
प्रारंभिक पूँजी	1,90,000	देनदार	50,000	
		घटाओ :		
		अशोध्य ऋण निधि	3,000	47,000
		प्राप्य बिल		12,000
		नकद और बैंक में धनराशि		15,000
	2,80,000			**2,80,000**

(2) 31-3-2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए नकद और बैंक खाता

विवरण (TO)	₹	विवरण (BY)	₹
शेष आगे लाए	15,000	वेतन खाता	55,000
देनदार खाता	4,25,600	बीमा प्रीमियम खाता	2,000
प्राप्य बिल खाता	27,000	कार्यालय संबंधी व्यय खाता	7,000
अशोध्य ऋण वसूली खाता	3,400	लेनदार खाता	2,73,600
विक्रय खाता	50,000	प्राप्य बिल खाता	16,800
		क्रय खाता	94,500
		मजदूरी खाता	3,100
		10% सरकारी प्रतिभूति खाता (01-10-2014 को खरीदी गई थी)	35,000
		आहरण खाता	15,000
		स्टेशनरी और टेलीफोन के व्यय	6,300
		शेष आगे ले गए	12,700
	5,21,000		**5,21,000**

(3) वर्ष 2014-15 की अवधि में किए गए अन्य सौदे

	₹		₹
उधार विक्रय	4,80,000	क्रय वापस	4,500
प्राप्त छूट	1,300	विक्रय वापस	6,200
दी गई छूट	2,800	लेनदारों को पृष्ठांकित प्राप्य बिल	8,000

(4) 31-03-2015 को शेष

	₹		₹
माल का स्कन्ध	36,200	लेनदार	8,600
प्राप्य बिल	18,000	अदत्त वेतन	10,000
देय बिल	14,200	पूर्वदत्त बीमा प्रीमियम	500

(5) अतिरिक्त जानकारी :

(i) भवन और फर्नीचर दोनों पर ह्रास की गणना 10% प्रतिवर्ष की दर से करनी है ।

(ii) देनदारो में से ₹ 4,400 के ऋण ऐसे हैं जिनकी प्रविष्टि अशोध्य ऋण के रूप में करनी है । देनदारियों पर 5% की दर से अशोध्य ऋण निधि का प्रावधान करना है ।

उपर्युक्त जानकारियों से 31-03-2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए श्री कन्हैयालाल के अंतिम खाते तैयार कीजिए ।

अथवा

4. (A) एकल प्रविष्टि प्रणाली और दोहरी प्रविष्टि प्रणाली के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए । **4**

अथवा

एकल प्रविष्टि प्रणाली के अनुसार रखे गए खातों को दोहरी प्रविष्टि प्रणाली के अनुसार रखा जाना हो तो यह परिवर्तन कैसे करेंगे विस्तार से समझाइए ।

(B) श्री शैलेष की निम्नलिखित जानकारियों से कुल शुद्ध क्रय मालूम कीजिए : **5**

	₹		₹
लेनदारों का प्रारंभिक शेष	10,000	क्रय वापस	3,000
देय बिलों का प्रारंभिक शेष	8,000	नकद क्रय	22,700
लेनदारों का अंतिम शेष	6,000	लेनदारों को भुगतान की गयी नकद धनराशि	39,600
देय बिलों का अंतिम शेष	9,000	प्राप्त की गई छूट	1,400
देय बिलों के आधार पर भुगतान	11,000		

(C) श्री मनीष की निम्नलिखित जानकारियों से कुल शुद्ध विक्रय मालूम कीजिए : **5**

	₹		₹
देनदारों का प्रारंभिक शेष	65,000	देनदारों के लिए स्वीकार किया गया अशोध्य ऋण	4,700
देनदारों का अंतिम शेष	57,000	नकद विक्रय	1,40,000
प्राप्य बिलों का प्रारंभिक शेष	15,000	देनदारों के लिए भुगतान किया गया व्यय	5,400
प्राप्य बिलों का अंतिम शेष	43,000	देनदारों द्वारा लौटाया गया माल	6,800
देनदारों से प्राप्त नकद धनराशि	3,65,000	प्राप्य बिलों के आधार पर प्राप्त की गई धनराशि	50,000
देनदारों को दी गई छूट	7,000		

5. निम्नलिखित बहु-विकल्पीय प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर दिए हैं । आपको सही उत्तर का चुनाव करना है । इसके लिए आवश्यक गणनाएँ दर्शाइएँ : (कोई **सात**) **14**

(1) एक माल प्रेषक ने ₹ 2,00,000 का माल एक माल प्राप्तकर्ता को भेजा । माल प्रेषक को माल भेजने में ₹ 10,000 का व्यय हुआ । माल प्राप्तकर्त्ता ने माल छुड़ाने के लिए ₹ 8,000 की चुंगी दी । कुल माल का 80% माल ₹ 1,85,000 में बेचा गया । अंतिम स्कन्ध का मूल्य क्या होगा ?

(a) ₹ 40,000 (b) ₹ 48,000

(c) ₹ 58,000 (d) ₹ 43,600

(2) वर्ष के दौरान मुख्य कार्यालय ने अपने शाखा-कार्यालय को खुदरा रोकड़ खर्चों के लिए ₹ 4,500 भेजे । खुदरा रोकड़ का प्रारंभिक शेष और अंतिम शेष क्रमश: ₹ 1,500 और ₹ 600 है । खुदरा रोकड़ खर्चे इतने ₹ के हुए :

(a) ₹ 4,500 (b) ₹ 6,000

(c) ₹ 6,600 (d) ₹ 5,400

(3) निम्नलिखित विवरण एक फर्म के हिसाबी खातों से लिए गए हैं :

प्रारम्भिक स्कन्ध ₹ 1,00,000; क्रय ₹ 6,00,000; अंतिम स्कन्ध ₹ 3,00,000; विक्रय पर सकल लाभ 20% है, तो विक्रय इतने ₹ का हुआ :

(a) ₹ 4,00,000 (b) ₹ 7,00,000

(c) ₹ 9,00,000 (d) ₹ 5,00,000

(4) निम्नलिखित विवरण एक फर्म के हिसाबी खातों से लिए गए हैं :

प्रारंभिक स्कन्ध ₹ 30,000; क्रय ₹ 3,45,000; विक्रय ₹ 4,50,000; आग लगने की दुर्घटना में बचा लिए गए माल की कीमत ₹ 7,500 है और सकल लाभ लागत मूल्य का 50% है तो आग में जलकर नष्ट हुए माल का मूल्य है :

(a) ₹ 75,000 (b) ₹ 68,750

(c) ₹ 74,500 (d) ₹ 67,500

(5) आग लगने की दुर्घटना में ₹ 2,25,000 का माल का स्कन्ध नष्ट हो गया और ₹ 25,000 का माल बचा लिया गया । बीमा-पॉलिसी का मूल्य ₹ 2,00,000 है । पॉलिसी में औसत धारा (एवरेज क्लाज़) का प्रावधान है । दावे (क्लेम) की धनराशि होगी :

(a) ₹ 2,00,000 (b) ₹ 1,75,000

(c) ₹ 1,80,000 (d) ₹ 2,50,000

(6) 1-4-2013 को फर्नीचर खाते का शेष ₹ 1,80,000 था जो शाखा-कार्यालय 01-10-2012 को भेजा गया । 31 मार्च 2014 को फर्नीचर पर 20% की दर से ह्रास की गणना सीधी रेखा पद्धति के अनुसार की गई । 31-3-2014 को शाखा के हिसाबी खातों में फर्नीचर का लिखा गया मूल्य होगा :

(a) ₹ 1,90,000 (b) ₹ 1,80,000

(c) ₹ 1,40,000 (d) ₹ 1,44,000

(7) अग्नि-बीमा सुरक्षित करता है इनको

(a) काल्पनिक सम्पत्ति (b) अमूर्त्त सम्पत्ति

(c) मूर्त्त सम्पत्ति (d) व्यापार में काम कर रहे कर्मचारी

(8) 'डेल-क्रेडर कमीशन' की गणना होती है इस पर :

(a) कुल विक्रय (b) केवल नकद विक्रय

(c) केवल उधार विक्रय (d) भेजा गया कुल माल

(9) एक स्वतंत्र शाखा के लिए मुख्य-कार्यालय खाता है एक प्रकार का :

(a) लाभ-हानि खाता (b) वास्तविक खाता

(c) नोमिनल खाता (d) पूँजी खाता

(10) लाभ के नुकसान की पॉलिसी में एवरेज क्लाज़ (औसत धारा) सुरक्षा देती है :

(a) जिसका बीमा हुआ है उसे (b) कर्मचारियों को

(c) बीमा करने वाले को (d) सभी को